News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-170

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, बुधवार 25 सितम्बर 2024

आज का विचार

बिखरना विनाश का पथ है तो सिमटना निर्माण का..

200 लोगों को लालच देकर 18 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा करवाया

पुलिस आई तो दरोगा के सिर में दाग दी तीर

अररिया, अररिया जिले महलगांव थाना क्षेत्र के मलहरिया पोखरिया में जमीन का अवैध कब्जा कराने का मास्टरमाइंड बीरेंद्र ऋषि है। जमीन पर कब्जा करने से पहले बीरेंद्र ऋषि ने पहले एक लोहार के यहां तीर और धनुष बनवाया। उसके बाद अपने समर्थकों को तीर-धनुष चलाने का प्रशिक्षण दिया और उन्हें अवैध कब्जे के लिए उकसाया। जमीन पर कब्जा करने से पहले ही घर के आस पास के गांव में बैठक कर प्लान बनाया। उसके बाद 23 सितंबर (सोमवार) को अहले सुबह अपने समर्थकों और करीब 300 लोगों के साथ मिलकर जमीनदार भूपनारायण यादव की 18 एकड़ 79 डिसमिल जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया। जब पुलिस ने अवैध कब्जा छुड़ाने का प्रयास किया, तो बीरेंद्र ऋषि ने समर्थकों के साथ मिलकर पुलिस पर तीर धनुष से हमला कर दिया। बताइए अभी जाता है कि तीर धनुष चलने के बाद पुलिस अपने बचाव में हवाई फायरिंग की है।

बीरेंद्र ऋषि के समर्थकों ने पुलिस पर हमला कर दिया मलहरिया पोखरिया गांव के स्थानीय लोगों ने बताया कि अररिया महलगांव थाना के मलेहरिया पोखरिया वार्ड गांव एक में चैनपुर गांव के रहने वाले जमीनदार भूपनारायण यादव की 18 एकड़ 79 डिसमिल जमीन है। मास्टरमाइंड बीरेंद्र ऋषि आसपास के गांव के 200 लोगों को जमीन का लोभ दिया और उनसे सभी से पांच हजार रुपए भी लिए। उसके बाद 18 एकड़ 79 डिसमिल जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया था। जब पुलिस ने अवैध कब्जा छुड़ाने का प्रयास किया, तो बीरेंद्र ऋषि के समर्थकों ने पुलिस पर हमला कर दिया। इस हमले में जोकीहाट थाने के 2 पुलिस अधिकारी घायल हो गए। सब इंस्पेक्टर नुसरत की आंख के पास तीर लगी थी। इनके साथ ही एएसआई

बीरेंद्र कुमार नट को भी चोट आई। हालांकि, प्राथमिक इलाज के बाद बीरेंद्र को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीं ऑपरेशन के बाद अब महिला एसआई खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने मामले में बीरेंद्र ऋषिदेव, उसके पिता सुर्ति ऋषिदेव समेत 25 लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। साथ में करीब 250 से 300 अज्ञात के खिलाफ भी प्राथमिकी कर बीरेंद्र ऋषि की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

अवैध कब्जा करने का खेल 2015 से शुरू हुआ जमीन का अवैध कब्जा का कारण प्रशासन का एक चूक है। बताया जाता है कि अररिया जिले के जोकीहाट अंचल कार्यालय के द्वारा बीते 35 साल पूर्व जमींदार भूपनारायण यादव की 18 एकड़ 79 डिसमिल जमीन को बिना जांच के ही करीब 100 महादलित परिवारों को लाल कार्ड घोषित कर दिया था। जब जमींदार भूपनारायण यादव को इसकी भनक लगी तो उन्होंने कोर्ट में प्रशासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी। और जीत भी हासिल की। उसके बाद 2015 में महादलित परिवारों को आंचल प्रशासन ने बुलाकर पहले सभी को समझाया उसके बाद लाल कार्ड को रद्द कर दिया। लाल कार्ड रद्द होने के बाद भी महादलित परिवार के लोग नहीं माने। वहीं से मास्टरमाइंड वीरेंदर ऋषि आगे आएं और जमीन पर अवैध कब्जा करने का खेल 2015 से शुरू हुआ।

गजट प्रकाशित करवाकर सभी लाल कार्ड को रद्द कर दिया जमीन मालिक भूपनारयण यादव ने बताया कि खाता 340 खेसरा 219 में कुल रकबा 18 एकड़ 79 डिसमिल जमीन उनलोगों की खतियानी जमीन है। करीब 35 वर्ष पूर्व करीब 100 महादलित परिवारों को उसी जमीन का लाल कार्ड बनाकर दे दिया। जब इस बात की जानकारी उनलोगों को हुई तो वे लोग कार्ड बनाने के विरोध में न्यायालय में वाद दाखिल किया। 2002 में ही न्यायालय ने वाद की सुनवाई करते हुए उनके पक्ष में फैसला दिया। इस मामले में न्यायालय ने गजट प्रकाशित करवाकर सभी लाल कार्ड को रद्द कर दिया। इसके बाद अंचल कार्यालय से वर्ष 2015 में जमीन को लेकर दोनों पक्षों को दस्तावेज के साथ बुलाया। वे लोग अंचल कार्यालय जाकर पूरे दस्तावेज का भी अवलोकन कराया। इसके बाद अंचल कार्यालय से महादलितों को कहा गया कि आपलोगों का लाल कार्ड रद्द कर दिया गया है। इसके बाद भी महादलित समुदाय के लोग उनकी जमीन पर कब्जे का प्रयास करते रहते हैं।

पटना में खतरे के निशान से ऊपर गंगा

26 सितंबर तक स्कूल बंद करने का आदेश

पटना, जिले में कई जगहों पर गंगा नदी का जलस्तर अब भी खतरे के निशान से ऊपर हो गया है। इस बीच जिला प्रशासन ने सोमवार को ग्रामीण इलाकों के 76 सरकारी स्कूलों को बंद रखने का फैसला किया है। इन 76 सरकारी स्कूलों को 26 सितंबर तक बंद रखा जाएगा। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने एक लेटर जारी कर ये आदेश दिया है। जारी पत्र के अनुसार, गंगा नदी के कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण पटना जिले के आठ प्रखंडों के कुल 76 सरकारी स्कूल 26 सितंबर तक बंद रहेंगे। जिले के ग्रामीण इलाकों में छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह निर्णय लिया गया है।

खतरे के निशान से ऊपर बह रही गंगा जिला प्रशासन की ओर से सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, सोमवार सुबह छह बजे तक पटना के गांधी घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान (48.60 मीटर) से ऊपर बह रही थी। इसी तरह हाथीदह और दीघा घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान (41.76 मीटर और 50.45 मीटर) से ऊपर बह रही है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, डीएमडी के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) प्रत्यय अमृत ने आज 12 जिलों के संबंधित अधिकारियों के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक की और उनके संबंधित जिलों में विभिन्न स्थानों पर स्थिति की जानकारी ली। एसीएस ने संबंधित जिलों के अधिकारियों को अलर्ट रहने और जलस्तर बढ़ने पर स्थिति से निपटने का निर्देश दिया।

इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात बयान में कहा

गया है, गंगा के किनारे बसे करीब 12 जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति है और निचले इलाकों में रहने वाले करीब 13.56 लाख लोग बढ़ते जलस्तर से प्रभावित हुए हैं। इन जिलों की कुल 376 ग्राम पंचायतें प्रभावित हुई हैं। निचले इलाकों से बड़ी संख्या में लोगों को निकालकर शिविरों में लाया गया है। प्रभावित 12 जिलों में बक्सर, भोजपुर, सारण, वैशाली, पटना, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार शामिल हैं।

बंदूक के साथ बना रहा था रील, चल गई गोली

14 साल के बच्चे की मौत के बाद आरोपी फरार

मधुबनी, बिहार के मधुबनी में एक युवक को हथियार के साथ रील बनाना महंगा पड़ गया। वीडियो बनाने के दौरान बंदूक से गोली चल गई, जो 14 साल के बच्चे को लगी। गोली लगने से बच्चे की मौत हो गई। रील बनाने वाला आरोपी घटना के बाद मौके से फरार हो गया। वहीं, पुलिस जांच में जुटी हुई है। हादसे में जिस बच्चे की मौत हुई है। उसका नाम इंदल गुप्ता बताया जा रहा है। मृतक लड़का सहदेव गुप्ता का बेटा है। घटना के बाद से उसके परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। घटना हरलाखी थाना क्षेत्र के उमगांव की है। मृतक की मां ने बताया कि लड़का खाना खाकर घर से इंद्र पूजा देखने निकला था। उसी के बाद उसे पड़ोस के ही एक

व्यक्ति के छत पर किसी ने गोली मार दी। गोली लगने से उसकी मौत हो गई।

हत्या के बाद आरोपी फरार हत्या के बाद आरोपी फरार हो गए। सूचना पाकर पहुंचे परिजन लड़के को उमगांव पीएचसी ले गए, जहां से उन्हें मधुबनी रेफर कर दिया। लेकिन मधुबनी पहुंचने से पहले ही युवक की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद से युवक की मां, पिता और पांच बहनों का रो-रो कर हाल बुरा है।

पुलिस ने बरामद किया खाली खोखा ग्रामीणों की माने तो आरोपी अपने ही घर पर दो दोस्तों के साथ सोशल मीडिया के लिए हथियार के साथ रील (वीडियो) बना रहा था। वीडियो बनाने के दौरान गलती से गोली चल गई और ये हादसा हो गया। गोली चलने से हुए हादसे के बाद मृत युवक को छोड़ कर अन्य युवक फरार हो गए। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है। घटनास्थल से पुलिस को एक खोखा बरामद हुआ। हालांकि जांच में पहुंची पुलिस को स्थानीय लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा।

आकाशीय बिजली गिरने से तीन युवकों की मौत

चौथे की हालत गंभीर

नवादा, नवादा में एक साथ चार लोगों पर आकाशीय बिजली गिरा, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा गंभीर रूप से झुलस गया। घटना रजौली थाना क्षेत्र के जोगियामरण पंचायत के एकंबा गांव की है। मृतकों की पहचान सकिंदर राजवंशी के पुत्र विक्रम कुमार (17), सुनील राजवंशी के पुत्र मोनू कुमार (25) और कमन राजवंशी के पुत्र इंद्रदेव राजवंशी (50) के रूप में की गई हैं।घायल युवक की पहचान प्रमोद राजवंशी के पुत्र सूरज कुमार के रूप में की गई है। ये सभी लोग रजौली थाना क्षेत्र के एकंबा गांव के बताए जाते हैं।बारिश से बचने के लिए लिया पेड़ का सहारा घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि ये सभी लोग गांव के बधार में खेत में काम कर रहे थे। अचानक बारिश होने लगी। बारिश से बचने के लिए ये सभी लोग पास के महुआ के पेड़ के नीचे छिप गए। तभी तेज बारिश के साथ-साथ अचानक आकाशीय बिजली गिरी और मौके पर ही विक्रम कुमार, मोनू कुमार और इंद्रदेव राजवंशी की मौत हो गई। एक साथ तीन मौतों के बाद पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हैं। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हैं। घटना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया हैं। रजौली अंचलाधिकारी गुफरान मजहरी ने बताया कि आपदा प्रबंधन के तहत सभी मृतक के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। सूरज कुमार का इलाज रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में कराए जाने के बाद उसे बेहतर चिकित्सा के लिए नवादा रेफर किया गया हैं।

मिथिला यूनिवर्सिटी पर 20 करोड़ रुपये गबन का आरोप

भ्रष्टाचार की जांच करने पहुंची विजिलेंस की टीम

दरभंगा के ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में प्रश्न पत्र की छपाई और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में करोड़ों की राशि गबन को लेकर दर्ज प्राथमिकी के मामले की जांच निगरानी की टीम डीएसपी सह निगरानी केस के अनुसंधानकर्ता चंद्रभूषण के नेतृत्व में कर रही है। बताया जा रहा है कि 20 करोड़ से अधिक को सरकारी गबन की प्राथमिकी तत्कालीन कुलपति, रजिस्ट्रार, वित्तीय सलाहकार, वित्त पदाधिकारी सहित कई अन्य अधिकारियों के खिलाफ गबन की प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

इन अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज बता दें कि तत्कालीन कुलपति डॉ. सुरेंद्र प्रताप सिंह और कुलसचिव प्रो मुस्ताक अहमद, वित्तीय सलाहकार कैलाश राम, वित्त पदाधिकारी फजले रहमान, कॉलेज निरीक्षक अशोक कुमार मेहता, भू सम्पदा पदाधिकारी कामेश्वर पासवान, कनीय अभियंता केशव कुमार, एसएम इकबाल से निगरानी टीम आज पूछताछ करने वाली है। बताया जाता है 2021 में रोहित कुमार ने सूचना के अधिकार के तहत निगरानी में ललित नारायण मिथिला विश्विद्यालय में भ्रष्टचार कर सरकारी राशि के गबन किये जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले की जांच के बाद शिकायत सही पाए जाने विश्विद्यालय के सभी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पटना से जांच करने पहुंची निगरानी की टीम इस सम्बंध में वर्तमान कुलपति डा संजय कुमार चौधरी ने बताया कि सरकारी राशि गबन की जांच करने पटना से निगरानी की टीम आई हुई है। विश्विद्यालय प्रशासन निगरानी टीम को जांच में पूरा सहयोग करेगा। जो भी फाइलें टीम के द्वारा मांगी जाएगी उन्हें उपलब्ध करा दिया जाएगा। दरभंगा जांच को आये निगरानी टीम डीएसपी सह मामले के अनुसंधानक चंद्रभूषण ने बताया कि ललित नारायण मिथिला विश्विद्यालय में करोड़ो की सरकारी राशि गबन का मामला दर्ज है जिसका अभी हम अनुसंधान कर रहे है। जांच में जो लोग भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कार्यवाई की जाएगी।